By - Dr. Shailesh Kumar
Dept. of Economics
Raja Singh College
Siwan

B.A Part I
Paper 1st

15.4.20

मॉंग सिद्धान्त या उपयोगिता विश्लेषण के दोष :-
(Defects of utility analysis or demand theory)

मार्शल द्वारा प्रतिपादित उपयोगिता विश्लेषण में कई दोष एवं त्रुटियाँ पायी जाती हैं; जिनकी विवेचना निम्नलिखित हैं:

(1) उपयोगिता को गणन-संख्या प्रणाली से नहीं मापा जा सकता (Utility cannot be measured cardinally) - मार्शल का समस्त उपयोगिता विश्लेषण इस तथ्य पर आधारित है कि उपयोगिता को गणन-संख्या प्रणाली द्वारा मापा जा सकता है। गणन-संख्या प्रणाली के अनुसार वस्तु की उपयोगिता को 'यूटिल' (util) या इकाइयों में मापा जाता है। उपयोगिता को इकाइयों के रूप में जमा भी किया जा सकता है और घटाया भी जा सकता है। उदाहरणार्थ, जब कोई उपभोक्ता रोटी खाता है तो प्रथम रोटी से उसे यदि 15 इकाइयों के बराबर सीमान्त उपयोगिता प्राप्त होती है; दूसरी एवं तीसरी रोटी से क्रमशः 10 और 5 ~~इकाइयों~~ इकाइयाँ, तथा चौथी रोटी लेने पर सीमांत उपयोगिता शून्य हो जाती है। यदि यह मान लिया जाए कि उसको चौथी रोटी के बाद और इच्छा नहीं है तो पाँचवीं रोटी लेने पर उपयोगिता ऋणात्मक 5 इकाइयाँ हो जाएगी। इस प्रकार पहली चार रोटियों की कुल उपयोगिता क्रमशः 15, 25, 30 एवं 30 होगी जबकि पाँचवी रोटी लेने से कुल उपयोगिता 25 (30-5) इकाइयाँ हो जाएगी।

(2) एक वस्तु मॉडल अवास्तविक है (Single commodity model is ~~realistic~~ unrealistic) उपयोगिता विश्लेषण एक-वस्तु मॉडल है जिसमें प्रत्येक वस्तु की उपयोगिता अन्य वस्तु की उपयोगिता से स्वतन्त्र मानी जाती है। मार्शल ने स्थानापन्न तथा पूरक वस्तुओं को एक ही वस्तु मान कर विश्लेषण किया परन्तु ऐसा करने से उपयोगिता विश्लेषण अवास्तविक बन जाता है। उदाहरणार्थ, चाय तथा कॉफी दो स्थानापन्न वस्तुएँ हैं। जब ~~इनमें~~ इनमें से किसी एक वस्तु के स्टॉक में परिवर्तन होता है तो उसकी अपनी सीमान्त उपयोगिता तथा अन्य वस्तु की सीमान्त

Scanned by CamScanner

उपयोगिता में परिवर्तन होगा। मान लीजिए कि उपभोक्ता के चाय के स्टॉक में वृद्धि होती है। इससे केवल चाय की सीमान्त उपयोगिता में ही कमी नहीं होगी बल्कि कॉफी की सीमान्त उपयोगिता भी गिर जाएगी। इसी प्रकार कॉफी के स्टॉक में परिवर्तन होने से कॉफी तथा चाय दोनों की सीमान्त उपयोगिता में परिवर्तन होगा।

(3) मुद्रा उपयोगिता का अपूर्ण मापदण्ड है :

(Money is an imperfect measure of utility) - मार्शल उपयोगिता को मुद्रा द्वारा मापता है, परन्तु मुद्रा उपयोगिता का सही तथा पूर्ण मापदण्ड नहीं क्योंकि मुद्रा के मूल्य में प्राय : परिवर्तन होता रहता है। जब एक उपभोक्ता एक वस्तु की समान इकाइयाँ भिन्न-भिन्न समय में खरीदता है तो उसको समान उपयोगिता प्राप्त नहीं होगी, यदि मुद्रा के मूल्य में पहले की अपेक्षा कमी हुई है हो। कीमतों के लगातार बढ़ने से मुद्रा के मूल्य में कमी होना स्वाभाविक है। फिर, यदि दो उपभोक्ता एक ही समय में बराबर मुद्रा राशि खर्च करते हैं तो दोनों को समान उपयोगिताएँ प्राप्त नहीं होंगी, क्योंकि उपयोगिता की मात्रा प्रत्येक वस्तु के लिए इच्छा की तीव्रता पर निर्भर करती है। उदाहरणार्थ, उपभोक्ता A उतने ही पैसे खर्च करके B की अपेक्षा अधिक उपयोगिता प्राप्त कर सकता है यदि उसकी वस्तु के लिए इच्छा अधिक तीव्र हो। अत: मुद्रा, उपयोगिता का अपूर्ण तथा अविश्वसनीय मापदण्ड है।

(4) मुद्रा की सीमान्त उपयोगिता स्थिर नहीं है :

(Marginal utility of money is not constant) - उपयोगिता विश्लेषण मुद्रा की सीमान्त उपयोगिता को स्थिर मानता है। मार्शल ने इसके पक्ष में यह तर्क दिया कि एक समय में एक उपभोक्ता एक वस्तु पर अपनी कुल आय का केवल थोड़ा-सा भाग ही खर्च करता है, जिससे उसके पास बाकी बचे मुद्रा के स्टॉक में कोई विशेष कमी नहीं आती। परन्तु वास्तविकता यह है कि कोई भी उपभोक्ता एक समय में एक वस्तु ही नहीं खरीदता बल्कि अनेक वस्तुएँ खरीदता है जिससे उसकी आय

Scanned by CamScanner

का बहुत बड़ा भाग जब खर्च हो जाता है तो मुद्रा का बाकी बचा स्टॉक कम हो जाने से उसकी ~~कीमत~~ सीमान्त उपयोगिता बढ़ जाती है। उदाहरणार्थ, हर उपभोक्ता अपनी आय का अधिक भाग महीने के प्रथम सप्ताह में घरेलु आवश्यकताओं की पूर्ति पर व्यय कर देता है और उसके बाद वह बहुत सोच-समझकर व्यय करता है।

(5) मनुष्य विचारशील नहीं है (Man is not rational)— उपयोगिता विश्लेषण इस मान्यता पर आधारित है कि हर उपभोक्ता विवेकी है जो सोच-विचारकर वस्तु को खरीदता है तथा वस्तु की भिन्न-भिन्न इकाइयों की अनुपयोगिता एवं उपयोगिताओं की ~~अक्षम~~ गणना करने की क्षमता रखता है और वस्तु की ऐसी इकाइयाँ ही खरीदता है जो उसे अधिक उपयोगिता प्रदान करती हैं। यह मान्यता भी ~~अर्थ~~ यथार्थहीन है क्योंकि कोई भी उपभोक्ता वस्तुओं को खरीदते समय उनकी उपयोगिताओं तथा अनुपयोगिताओं की तुलना नहीं करता बल्कि अपनी इच्छाओं, रुचियों या आदतों के वशीभूत होकर वस्तुओं को खरीदता है।

(6) उपयोगिता विश्लेषण आय-प्रभाव, स्थानापन्नता-प्रभाव एवं कीमत-प्रभाव का अध्ययन नहीं करता
(Utility analysis does not study income-effect, substitution-effect and price-effect)— उपयोगिता विश्लेषण में सबसे बड़ी त्रुटि आय-प्रभाव, स्थानापत्ति प्रभाव तथा कीमत-प्रभाव का अध्ययन न करना है। उपयोगिता विश्लेषण यह नहीं बतलाता है कि जब उपभोक्ता की आय में वृद्धि या कमी होती है तो वस्तुओं की माँग पर क्या प्रभाव पड़ता है। इस प्रकार यह आय-प्रभाव की उपेक्षा करता है। फिर, जब एक वस्तु की कीमत में परिवर्तन होने से दूसरी वस्तु की सापेक्ष कीमत में परिवर्तन होता है तो उपभोक्ता एक को दूसरे ~~की~~ के स्थान पर जब स्थानापन्न करता है, उसे स्थानापत्ति-प्रभाव कहते हैं। उपयोगिता विश्लेषण इसका भी अध्ययन करने में असमर्थ

Scanned by CamScanner

है क्योंकि यह एक-वस्तु मॉडल पर आधारित है। इसके अतिरिक्त, जब एक वस्तु की कीमत में परिवर्तन होता है तो उसकी और अन्य सम्बन्धित वस्तु की माँग में जो परिवर्तन होता है वह कीमत-प्रभाव कहलाता है।

(7) उपयोगिता विश्लेषण घटिया तथा गिफ्फन वस्तुओं का स्पष्टीकरण करने में विफल है। (Utility analysis fails to clarify inferior and Giffen goods)— मार्शल के माँग के उपयोगिता विश्लेषण की एक विफलता यह भी पायी जाती है कि वह इस तथ्य का स्पष्टीकरण नही करती कि जब किसी घटिया और गिफ्फन वस्तु की कीमत गिर जाती है तो उसकी माँग में कमी किस कारण होती है।

(8) यह विश्लेषण अविभाज्य वस्तुओं की माँग को समझने में विफल है

(This analysis fails to explain the demand for indivisible goods)— उपयोगिता विश्लेषण स्कूटर, ट्रांजिस्टर, रेडियो आदि अविभाज्य वस्तुओं की माँग को समझने में विफल है क्योंकि एक समय में उपभोक्ता ऐसी वस्तुओं की केवल एक इकाई ही खरीदता है। उपभोक्ता द्वारा एक वस्तु की एक ही इकाई खरीदने से न तो सीमान्त उपयोगिता की गणना की जा सकती है, और न ही उपभोक्ता की उस वस्तु के लिए माँग अनुसूची बनाई जा सकती है, तथा न ही माँग-वक्र खींचा जा सकता है। अतः अविभाज्य वस्तुओं पर उपयोगिता विश्लेषण लागू नहीं होता।

उपयोगिता विश्लेषण की इन त्रुटियों के कारण हिक्स जैसे आधुनिक अर्थशास्त्रियों ने उपभोक्ता के माँग विश्लेषण की व्याख्या उदासीनता-वक्र प्रणाली द्वारा की है।

Scanned by CamScanner